डॉ० शिवलोचन झा
कुलसचिव
कामेश्वरसिंह दरभंगा संस्कृतविश्वविद्यालय, दरभंगा।

पत्रांक 1775/17
दिनांक 08.12./17
दूरभाष सं. 06272-222178
मो. सं- 9473369943

पत्रांक ..../17
संचिका सं. 2657/17

दिनांक ..../17
शाखा. प्राधिकार

सेवा में,

प्रधानाचार्य,
वासुदेव सं० महावि०,
अकबरपुर, पटना

विषय :- उपशास्त्री पाठ्यक्रम एवं विनियमाबली सत्र 2017-2019 में लागू करने के सम्बन्ध में।

महाशय,

उपर्युक्त विषय के सन्दर्भ में सादर सूचनीय है कि संलग्न उपशास्त्री पाठ्क्रम एवं परीक्षा विनियमाबली के आधार पर सत्र 2017-19 से उपशास्त्री पाठ्क्रम का संचालन किया जाय।

कुलपति के आदेश से,

02/12/17
(डा. शिवलोचन झा)
कुलसचिव
2.12.17

अनु.-उपर्युक्त।

रिंकू 30,11.17

कामेश्वर सिंह दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय

कामेश्वरनगर, दरभंगा

उपशास्त्री पाठ्यक्रम एवं परीक्षा विनियमावली

सत्र-2017-2019 से प्रवृत्त

(विश्वविद्यालय द्वारा गृहीत द्विवर्षीय उपशास्त्री की समकक्षता सामान्य शिक्षा के द्विवर्षीय इण्टरमीडिएट के समकक्ष होगी।)

उपशास्त्री (इण्टर समकक्ष) द्विवर्षीय पाठ्यक्रम के सामान्य नियम

(क) राज्य सरकार/केन्द्र सरकार से मान्यता प्राप्त संस्कृत विश्वविद्यालय/संस्थान/बोर्ड समिति से मध्यमा/मैट्रिक(दसवीं) या समकक्ष परीक्षोत्तीर्ण छात्र इस विश्वविद्यालय के अधीन किसी अंगीभूत/सम्बद्ध उपशास्त्री(इण्टरमीडिएट) संस्कृत महाविद्यालय के उपशास्त्री प्रथम वर्ष में नामांकन कराकर नियमित छात्र के रूप में दूसरे वर्ष उपशास्त्री की विश्वविद्यालयीय परीक्षा में सम्मिलित हो सकते हैं।

(ख) उपर्युक्त 'क' अंश में अंकित संस्थाओं से मध्यमा/मैट्रिक या समकक्ष परीक्षोत्तीर्ण छात्र परीक्षोत्तीर्णता के एक वर्ष के अन्तराल के पश्चात् किसी मान्यता प्राप्त संस्कृत महाविद्यालय की प्रथम वर्ष की परीक्षा में तथा अगले वर्ष उपशास्त्री की विश्वविद्यालयीय परीक्षा में स्वतंत्र छात्र के रूप में सम्मिलित हो सकते हैं। किन्तु महिला छात्रों के लिए एक वर्ष के अन्तराल की बाध्यता नहीं होगी।

इस पाठ्यक्रम के विषय एवं परीक्षोत्तीर्णता

यह पाठ्यक्रम दो वर्षों का होगा, जिसमें सामान्यतः पाँच पत्र होंगे, किन्तु कोई भी छात्र ऐच्छिक विषय के रूप में अतिरिक्त विषय का चयन भी कर सकता है। ऐसी स्थिति में उपशास्त्री परीक्षा में कुल छः पत्र होंगे। ऐच्छिक विषय के प्राप्तांक का अङ्कन सम्बद्ध पत्र में किया जायेगा। किन्तु पाँच पत्र के अङ्कों के आधार पर ही श्रेणी का निर्धारण होगा।

(1) उपशास्त्री प्रथमवर्ष की परीक्षा सम्बद्ध महाविद्यालय के द्वारा ली जायेगी तथा इसका अङ्कपत्र सम्बद्ध महाविद्यालय के द्वारा निर्गत किया जायेगा, जिसकी प्रति द्वितीय वर्ष के परीक्षावेदन पत्र के साथ संलग्न करना आवश्यक होगा। द्वितीयवर्ष की परीक्षा विश्वविद्यालय द्वारा ली जाएगी, जिसके प्राप्तांकों के आधार पर परीक्षा परिणाम घोषित किया जाएगा।

(2) उत्तीर्णता एवं श्रेणी

उपशास्त्री परीक्षा में प्रति पत्र के पूर्णाङ्क 100 अङ्कों में न्यूनतम 33 अङ्क उत्तीर्णता के लिए अनिवार्य होंगे।

श्रेणी निर्धारण का आधार निम्नलिखित रहेगा।

(क) प्रथम श्रेणी	- कुल अङ्कों का 60% या अधिक
(ख) द्वितीयश्रेणी	- कुल अङ्कों का 45% या अधिक किन्तु 60% से कम
(ग) तृतीयश्रेणी	- कुल अङ्कों का 33% या अधिक किन्तु 45% से कम

(3) परीक्षा की भाषा:- विषयानुसार संस्कृत हिन्दी या अंग्रेजी होगी। सम्बद्ध भाषाओं जैसे मैथिली, भोजपुरी इत्यादि में भाषा की माध्यम भाषा मैथिली या भोजपुरी होगी। संस्कृत, हिन्दी, मैथिली, भोजपुरी आदि देवनागरी लिपि में एवं अंग्रेजी रोमन लिपि में लिखे जायेंगे। इतिहास, भूगोल इत्यादि विषय तीनों ही भाषा में लिखे जा सकते हैं।

(4) अधिकतम दो पत्रों में अनुत्तीर्णता की स्थिति में छात्र अगले वर्ष की परीक्षा में अनुत्तीर्ण पत्रों की परीक्षा में शामिल हो सकेगा जिसको मात्र उत्तीर्णता दी जायेगी श्रेणी नहीं। दो पत्रों से अधिक पत्रों में अनुत्तीर्ण छात्र अगले वर्ष की परीक्षा

में प्रविष्ट होकर उत्तीर्ण हो सकेंगे तथा उनकी उत्तीर्णता के साथ-साथ श्रेणी भी प्रदान की जाएगी। एक छात्र अधिकतम तीन वर्षों की परीक्षा में प्रवेश का मौका दिया जा सकेगा।

(5) उपशास्त्री परीक्षा में एक विषय में अनुत्तीर्ण होने पर अधिकतम 5 अंक एवं दो पत्रों में अनुत्तीर्ण होने की स्थिति में 3-3 अंक कृपाङ्क देकर उत्तीर्ण घोषित किया जा सकता है। ऐसे छात्रों के उन-उन विषय में कृपाङ्क का अङ्क दे कर कुल योगाङ्क के ऊपर कृपाङ्क के अङ्क अङ्कित कर अभ्युक्ति में विनियमाधीन या U.R. लिख दिया जायेगा।

(6) श्रेणी सुधार हेतु यदि 5 अङ्क तक की आवश्यकता होगी तो उसे योग में जोड़कर प्रथम एवं द्वितीय श्रेणी सुधार किया जायेगा और अभ्युक्ति में विनियमाधीन/ U.R. अङ्कित किया जायेगा।

उपशास्त्री में विषय का विभाजन

(इस परीक्षा में कुल चार खण्ड होंगे- खण्ड 'क', खण्ड 'ख', खण्ड 'ग' एवं खण्ड 'घ')

खण्ड 'क' के विषय (अनिवार्य)

प्रथमपत्र

सामान्य संस्कृत

पूर्णाङ्क-100

द्वितीयपत्र(भाषा)

पूर्णाङ्क-100

हिन्दी

अथवा

हिन्दी - 50 + अंग्रेजी - 50

अथवा

हिन्दी - 50 + मैथिली - 50

अथवा

हिन्दी - 50 + भोजपुरी - 50

अथवा

हिन्दी - 50 + पाली - 50

अथवा

हिन्दी - 50 + प्राकृत - 50

खण्ड 'ख' के विषय (शास्त्रीय विषय)

तृतीयपत्र

पूर्णाङ्क-100

साहित्य, नव्य-व्याकरण, गणित-ज्यौतिष, न्यायवैशेषिक, पुरण, वेद, सांख्ययोग में से एक विषय

चतुर्थपत्र

पूर्णाङ्क-100

प्राचीन व्याकरण, फलित ज्यौतिष. धर्मशास्त्र, कर्मकाण्ड, मीमांसा, वेदान्त, जैन-दर्शन, बौद्ध-दर्शन में से कोई एक विषय

खण्ड 'ग' के विषय (आधुनिक विषय)

पञ्चमपत्र

पूर्णाङ्क-100

(निम्नलिखित आधुनिक विषयों में से किसी एक विषय)

अंग्रेजी, अर्थशास्त्र, राजनीतिशास्त्र, इतिहास, समाजशास्त्र, मनोविज्ञान, तर्कशास्त्र, भूगोल, आपदा प्रबन्धन एवं पर्यावरण संरक्षण।

खण्ड 'घ' के विषय (वैच्छिक अतिरिक्त विषय)

षष्ठपत्र

पूर्णाङ्क-100

कम्प्युटर, योग एवं शारीरिक शिक्षा, गृहविज्ञान, (केवल छात्राओं के लिए), संगीत, पाली, प्राकृत, व्यावसायिक ज्यौतिष, आयुर्वेद, कर्मकाण्ड एवं भाषा समूह के अधीन- प्रथम तथा द्वितीय पत्र में चयनित विषय से भिन्न कोई एक विषय।
(खण्ड 'ग' के विषय में अनुत्तीर्णता की स्थिति में इस पत्र में उत्तीर्ण होने पर यह पत्र पञ्चमपत्र के रूप में माना जायेगा। जो पञ्चमपत्र अंग्रेजी न लिए हों वो षष्टपत्र में अंग्रेजी ले सकते हैं।)

पाठ्यक्रम

खण्ड-'क'

अनिवार्य प्रथमपत्र (संस्कृत सामान्य)

पूर्णाङ्क-100

संस्कृत सामान्य-प्रथमवर्ष

1. शब्दरूपः- राम, सर्व, मुनि, पति, सखि, साधु, लता, सर्वा, नदी, पति, पुष्प, वारि, दधि, कर्तृ, पितृ एवं गो शब्दों का रूप -10 अङ्क
2. धातुरूपः- भू, पठ्, गम्, दृश्, पा, स्था, घ्रा, श्रु, सेव्, वृत्, नी, याच् एवं वह् धातुओं के लट्, लृट्, लोट्, लङ् एवं विधिलिङ् लकारों में रूप -10अङ्क
3. सन्धिः- स्वरसन्धि- यण्, अयादि, गुण, वृद्धि, दीर्घ -10अङ्क
4. समासः- अव्ययीभाव, तत्पुरुष, कर्मधारय, नञ् एवं प्रादि -10अङ्क
5. अव्यय- -10अङ्क
6. हितोपदेश - मित्रलाभ -30अङ्क
7. संस्कृत से हिन्दी अनुवाद -10अङ्क
8. हिन्दी से संस्कृत अनुवाद -10अङ्क

संस्कृत सामान्य-द्वितीयवर्ष

पूर्णाङ्क-100

1. शब्दरूपः-भूभृत्, भगवत्, धीमत्, महत्, पठत्, आत्मन्, राजन्, श्वन्, युवन्, पथिन्, पञ्चन्, अष्टन्, युष्मद्, अस्मद्, विद्वस्, तद्, इदम्, चतुर्, धनुष् एवं मनस् -10अङ्क
2. धातुरूप- अस्, अधि+इङ्, हन्, आस्, दा, धा, दिव्, जन्, शक्, चि, लिख्, इध्, प्रच्छ्, कृ, क्री, ग्रह, ज्ञा, कथ्, यक्ष्, धातु के लट्, लोट्, लङ् एवं विधिलिङ् लकार में रूप -10अङ्क
3. सन्धि- श्चुत्व, स्तुत्व, परसवर्ण, पूर्वसवर्ण, छत्व, अनुस्वार, सत्व, ओत्व -10अङ्क
4. समास- बहुव्रीहि, द्वन्द्व -10अङ्क

कारक एवं उपपद विभक्ति का सामान्य ज्ञान -10अङ्क

कृत् प्रत्यय- तव्य, अनीयर्, ण्यत्, यत्, क्यप्, ण्वुल्, तृच्, क्तवतु, शतृ, शानच्, क्त्वा, ल्यप्, घञ्, धम्, क्तिन् -10अङ्क

7. तद्धित- अपत्यार्थक-अण्, इञ्, यञ्, शैषिक-अण्, भावार्थक त्व एवं तल् -10अङ्क
8. स्त्री प्रत्यय- टाप्, ङीप्, ङीष्, ऊङ्, ति -10अङ्क
9. संस्कृत निबन्ध -15अङ्क
10. पत्र लेखन -05अङ्क

अनिवार्य द्वितीयपत्र (हिन्दी)

पूर्णाङ्क-100

हिन्दी-प्रथमवर्ष

1- (क) सन्धि -10अङ्क
(ख) समास -10अङ्क
(ग) निबन्ध -15अङ्क
(घ) अशुद्धि संशोधन -10अङ्क
(ङ) पत्र लेखन -05अङ्क

निर्धारितग्रन्थ- दिगन्त भाग-2

पाठ्यांश

2- गद्य: -25अङ्क
(क) बालाकृष्णभट्ट- बातचीत
(ख) जयप्रकाश नारायण- सम्पूर्णक्रान्ति
(ग) चन्द्रधर शर्मा गुलेरी- उसने कहा था
(घ) जगदीशचन्द्र माथुर- ओ सदानीरा
(ङ) भगत सिंह- एक लेख और एक पत्र
(च) रामधारी सिंह दिनकर- अर्द्धनारीश्वर

3- पद्य: -25अङ्क
(क) जायसी - कदवक
(ख) सूरदास - पद
(ग) तुलसीदास- पद
(घ) नाभादास- छप्पय
(ङ) भूषण - कवित्त

हिन्दी-द्वितीयवर्ष

पूर्णाङ्क-100

1- (क) मुहावरा -10अङ्क
(ख) लोकोक्ति(कहावत) -10अङ्क
(ग) पर्यायवाची शब्द -10अङ्क
(घ) वार्त्ता लेखन -10अङ्क
(ङ) पत्र लेखन -10अङ्क

गद्य: -25अङ्क

(क) सच्चिदानन्द वात्स्यायन अज्ञेय - राज

(ख) नामवर सिंह - प्रगति और समाज

(ग) मोहन राकेश - सिपाही की माँ

(घ) मलयज - हँसते हुए मेरा अकेलापन

(ङ) ओमप्रकाश बल्मीकि- जूठन

(च) उदय प्रकाश - तिरिछ

3- पद्य: -25अङ्क

(क) जयशंकर प्रसाद- तुमुल कोलाहल में

(ख) सुभद्रा कुमारी चौहान- पुत्र वियोग

(ग) शमशेर बहादुर सिंह- उषा

(घ) गजानन माधव मुक्तिबोध- जन-जन का चेहरा

(ङ) रघुवीर सहाय- अधिनायक

(च) विनोद कुमार शुक्ल- प्यारे नन्हें बेटे को

अनिवार्य द्वितीयपत्र

(अहिन्दी भाषियों के लिए)

हिन्दी पूर्णाङ्क-100

मैथिली, अंग्रेजी, भोजपुरी, प्राकृत एवं पाली में से कोई एक -50अङ्क -50अङ्क

हिन्दी- प्रथमवर्ष

पाठ्यांश पूर्णाङ्क-50

दिगन्त भाग - 1 (बिहार टेक्स्ट बुक कमिटि)

1- गद्य: -10अङ्क

(क) प्रेमचन्द्र- पूस की रात

(ख) रामचन्द्र शुक्ल- कविता की परख

(ग) विष्णुभट्ट गोडसे- आँखों देखा गदर

2- पद्य: -10अङ्क

(क) कबीर- सन्तो देखत जग बौराना

(ख) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र- भारत दुर्दशा

(ग) मैथिली शरण गुप्त- झंकार

3 हिन्दी व्याकरण रचना एवं साहित्य (दिगन्त भाग -(बिहार टेक्स्ट बुक कमिटि) -15अङ्क

4 विभिन्न विषयक निबन्ध एवं त्योहार, सामाजिक विभिन्न वैज्ञानिकों की जीवनी -15अङ्क

हिन्दी- द्वितीयवर्ष

पूर्णाङ्क-50

1. गद्यः -10अङ्क

(क) हरिशंकरपरसाई - एक दीक्षान्त भाषण

(ख) भोला पासवान शास्त्री - मेरी वियतनाम यात्रा

(ग) कृष्णा सोबती - सिक्का बदल गया

2. पद्यः -10अङ्क

(क) सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला - तोड़ती पत्थर

(ख) नागार्जुन - बहुत दिनों के बाद

(ग) मीराबाई - जो तुम तोड़ो पिया, मैं गिरिधर को जाऊँ

3 हिन्दी व्याकरण रचना एवं साहित्य (बिहार टेक्स्ट बुक कमिटि) (उत्तरार्ध) -15अङ्क

4 विभिन्न विषयक निबंध- पर्व त्योहार, सामाजिक, विभिन्न वैज्ञानिकों की जीवनी -15अङ्क

मातृभाषा मैथिली- प्रथमवर्ष

पूर्णाङ्क-50

1 गद्य -15अङ्क

(क) म०म० परमेश्वर झा - सीमन्तिनी

(ख) म०म० मुरलीधर झा- मैथिलीक आवश्यकता

2 पद्य -15अङ्क

(क) विद्यापति- नटराज, गङ्गा स्तुति

(ख) गोविन्ददास - रामवन्दना

(ग) चन्दा झा - रावण-अंगद संवाद

(घ) तन्त्रनाथ झा - मुसरी झा

3 मैथिली व्याकरण - संज्ञा, सर्वनाम, संधि -10अङ्क

4 मैथिली निबन्ध - सामाजिक एवं राष्ट्रीय जीवन -10अङ्क

मातृभाषा मैथिली- द्वितीयवर्ष

पूर्णाङ्क-50

1 गद्यभाग -15अङ्क

(क) रमानाथ झा - म०म० बालकृष्ण मिश्र

(ख) ललित - रमजानी

(ग) हरिमोहन झा - बाबा क संस्कार

2 पद्यभाग -15अङ्क

(क) रामकृष्ण झा किसुन - प्रतिवादक स्वर

(ख) वैद्यनाथ मिश्र यात्री - विलाप

(ग) आरसी प्रसाद सिंह - अधिकार

खण्ड 'ग'

तृतीयपत्रम्

शास्त्रीय विषय (पूर्णाङ्क-100)

(इस पत्र में साहित्य, नव्यव्याकरण, गणितज्योतिष, पुराण, वेद, न्याय वैशेषिक, दर्शन एवं मीमांसादर्शनों में से किसी एक का चयन किया जायेगा)

साहित्यम् प्रथमवर्षम्

पूर्णाङ्कः-100

1. रघुवंशमहाकाव्यम् - (द्वितीयसर्गे प्रथमपद्यतः सप्तत्रिंशत् पद्यं यावत्) -25अङ्काः
2. किरातार्जुनीयम् (प्रथमसर्गे) प्रथमपद्यतः विंशतिपद्यं यावत् -25अङ्काः
3. काव्यदीपिका - शिखा 1-4 -25अङ्काः
4. श्रुतबोधः- आदित उपजातिलक्षणं यावत् -25अङ्काः

साहित्यम्- द्वितीयवर्षम्

पूर्णाङ्कः-100

1. रघुवंशमहाकाव्यम् - (द्वितीयसर्गः अष्टत्रिंशत् पद्यतः समाप्तिंयावत्) -25अङ्काः
2. किरातार्जुनीयम् (प्रथमसर्गः) एकविंशतिपद्यतः समाप्तिंयावत् -25अङ्काः
3. काव्यदीपिका - शिखा 5-8 -25अङ्काः
4. श्रुतबोधः- आख्यानकीलक्षणतः समाप्तिंयावत् -25अङ्का

नव्यव्याकरणम्- प्रथमवर्षम्

पूर्णाङ्कः-100

वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी(पूर्वार्द्धे अपत्याधिकारपर्यन्ता फक्किकांशरहिता) -100अङ्काः

नव्यव्याकरणम्- द्वितीयवर्षम्

पूर्णाङ्कः-100

वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी(उत्तरार्धे भ्वादिप्रकरणत उत्तरकृदन्तपर्यन्ता उणादिरहिता फक्किकांशरहिता) -100अङ्काः

गणितज्योतिषम्- प्रथमवर्षम्

पूर्णाङ्कः-100

1. भास्करीय लीलावती- परिभाषातः मिश्रकव्यवहारं यावत् -40अङ्काः
2. रेखागणितम्- 1-2 अध्यायौ -20अङ्काः
3. भास्करीय बीजगणितम्- धनर्णषड्विधतः चक्रवालपर्यन्तम् -40अङ्काः

गणितज्योतिषम्- द्वितीयवर्षम्

पूर्णाङ्कः-100

1. भास्करीय लीलावती- श्रेढीव्यवहारतः क्षेत्र व्यवहारान्ता -35अङ्काः
2. रेखागणितम्- 3-4 अध्यायौ -25अङ्काः
3. भास्करीय बीजगणितम्- एकवर्ण समीकरणात् मध्यमाहरणान्तम् -30अङ्काः
4. गोलपरिभाषाः -10अङ्काः

पुराणम्- प्रथमवर्षम्

1. दुर्गासप्तशती- प्रथमाध्यायतः चतुर्थाध्यायपर्यन्तम् — पूर्णाङ्काः-100 — -40अङ्काः
2. श्रीमद्भगवद्गीता- प्रथमाध्यायतः नवमाध्यायपर्यन्तम् — -60अङ्काः

पुराणम्- द्वितीयवर्षम्

1. दुर्गासप्तशती- पञ्चमाध्यायतः त्रयोदशाध्यायपर्यन्तम् — पूर्णाङ्काः-100 — -50अङ्काः
2. श्रीमद्भगवद्गीता- दशमाध्यायतः अष्टादशाध्यायपर्यन्तम् — -50अङ्काः

वेदः- प्रथमवर्षम्

1. शुक्लयजुर्वेदसंहिता- 1-2 अध्यायौ(मूलमात्रम्) — पूर्णाङ्काः-100 — -50अङ्काः
2. शुक्लयजुर्वेदसंहिता प्रथम अध्यायस्य 1तः 16मन्त्रस्य स्वराङ्कनम् — -10अङ्काः
3. याज्ञवल्क्य शिक्षा- स्वरप्रकरणम् — -40अङ्काः

वेदः- द्वितीयवर्षम्

1. शुक्लयजुर्वेदसंहिता- तृतीयाध्यायः(मूलमात्रम्) — पूर्णाङ्काः-100 — -50अङ्काः
2. शुक्लयजुर्वेदसंहिता प्रथम अध्यायस्य 17तः 33मन्त्रस्य स्वराङ्कनम् — -10अङ्काः
3. याज्ञवल्क्य शिक्षा- वर्णप्रकरणम् — -40अङ्काः

न्याय वैशेषिक-प्रथमवर्षम्

1. न्यायसिद्धान्तमुक्तावली- प्रारम्भतः दिग्निरूपनपर्यन्तम् — पूर्णाङ्काः-100 — -50अङ्काः
2. माधुरीपञ्चलक्षणी- आदितः द्वितीयलक्ष्मपर्यन्तम् — -50अङ्काः

न्याय वैशेषिक-द्वितीयवर्षम्

1. न्यायसिद्धान्तमुक्तावली- आत्मनिरूपनमाख्यपर्यन्तम् — पूर्णाङ्काः-100 — -50अङ्काः
2. माधुरीपञ्चलक्षणी- व्यादिवद्वितीयलक्ष्मपर्यन्तम् — -50अङ्काः

सांख्ययोगदर्शनम्-प्रथमवर्षम्

1. सांख्यसार- प्रथमतः द्वितीय परिच्छेदपर्यन्तम् — पूर्णाङ्काः-100 — -50अङ्काः
2. योगसूत्रम्- समाजपादः — -50अङ्काः

सांख्ययोगदर्शनम्-द्वितीयवर्षम्

1. सांख्यसार- तृतीयपरिच्छेदमात्रम् — पूर्णाङ्काः-100 — -50अङ्काः
2. योगसूत्रम्- साधनपादः — -50अङ्काः

चतुर्थपत्रम् (100 अङ्काः)

(इस पत्र में फलित ज्योतिष, प्राचीन व्याकरण, धर्मशास्त्र, मीमांसा वेदान्त दर्शन, जैन-बौद्ध दर्शन तथा कर्मकाण्ड में से किसी एक का चयन किया जा सकता है।)

(घ) चन्द्रनाथ मिश्र अमर - युगचक्र

3 मैथिली व्याकरण - समास, लोकोक्ति, शब्दयुग्म -10अङ्क

4 मैथिली निबन्ध - पर्वत्योहार, लोकप्रिय नेतागण, साहित्यकारक जीवन -10अङ्क

ENGLISH- FIRST YEAR

1 Prose Total Marks-50

Our Own civilization & C-E-M joad (1891&1953) -10Marks

2 Poetry

(a) The Daffodils - William Wordsworth -10Marks

(b) Echo - Walter De Lara Mare

(c) If - Rudyard kipling

3 David Copper Field -10Marks

4 Grammer -20Marks

ENGLISH- SECOND YEAR

1 Prose Total Marks-50

(a) with the photographar & Stepken Leacock -10Marks

(b) Good Manners- J. C. Hills

2 Poetry

(a) poetry- The Late Isla of Innisfree- Wwillian Burlaryeats-(1865-1933) -10Marks

(b) Everyone Sang - Scigfried sasson (1886-1967)

(c) The soldier - Rupert Brock-

3 Grammer -20Marks

4 David Copper Field -10Marks

Books recommended

1. The Rainbow Part-I BTC
2. Rainbow English Grammer

फलितज्योतिष-प्रथमवर्षम्

पूर्णाङ्कः-100

1. मुहूर्तचिन्तामणि रामाचार्यकृता- शुभाशुभनक्षत्रप्रकरणं -40अङ्काः
2. ताजिक नीलकण्ठी- संज्ञातन्त्रान्तर्गतद्वादशभावसाधनान्ता -30अङ्काः
3. लघुपाराशरी- प्रथमाध्यायः -30अङ्काः

फलितज्योतिष-द्वितीयवर्षम्

पूर्णाङ्कः-100

1. मुहूर्तचिन्तामणि रामाचार्यकृता- गोचरप्रकरणतः संस्कारप्रकरणं यावत् -40अङ्काः
2. ताजिक नीलकण्ठी- लग्नानयने विशेषव्यवस्थातः दीप्तांशप्रयोजनं यावत् -30अङ्काः
3. लघुपाराशरी- द्वितीयाध्यायः -30अङ्काः

प्राचीनव्याकरणम्-प्रथमवर्षम्

पूर्णाङ्कः-100

1. काशिकावृतिः प्रथमाध्यायत् तृतीयाध्यायपर्यन्तम् -100अङ्काः

प्राचीनव्याकरणम्-द्वितीयवर्षम्

पूर्णाङ्कः-100

1. काशिकावृतिः चतुर्थाध्यायत अष्टमाध्यायपर्यन्तम् -100अङ्काः

धर्मशास्त्रम्-प्रथमवर्षम्

पूर्णाङ्कः-100

1. मनुस्मृतिः-मन्वर्थमुक्तावली सहिता- प्रथमाध्यायादारभ्य द्वितीयाध्यायस्य 172 श्लोकपर्यन्तम् -100अङ्काः

धर्मशास्त्रम्-द्वितीयवर्षम्

पूर्णाङ्कः-100

1. मनुस्मृतिः-मन्वर्थमुक्तावली सहिता- द्वितीयाध्यायंस्य 173 श्लोकतः तृतीयाध्यायं यावत् -100अङ्काः

मीमांसा वेदान्तदर्शनम्-प्रथमवर्षम्

पूर्णाङ्कः-100

1. अर्थसंग्रहः विनियोगविधिपर्यन्तम् -50अङ्काः
2. वेदान्तसारः अज्ञानशक्तिनिरूपपर्यन्तम् -50अङ्काः

मीमांसा वेदान्तदर्शनम्-द्वितीयवर्षम्

पूर्णाङ्कः-100

1. अर्थसंग्रहः प्रयोगविधितः समाप्तिपर्यन्तम् -50अङ्काः
2. वेदान्तसारः विज्ञानमयकोषतः समाप्तिपर्यन्तम् -50अङ्काः

जैन-बौद्धदर्शनम्-प्रथमवर्षम्

पूर्णाङ्कः-100

1. प्रमाणनयतत्वलोकालंकारः- पूर्वार्द्ध -50अङ्काः
2. बौद्धतर्कभाषा- प्रथमद्वितीयपरिच्छेदौ -50अङ्काः

जैन-बौद्धदर्शन तृतीयवर्ष

पूर्णाङ्क:-100

1. प्रमाणनयतत्त्वलोकालंकार:- उत्तरार्द्ध :- -50अङ्का:
2. बौद्धतर्कभाषा- तृतीयपरिच्छेद: -50अङ्का:

कर्मकाण्ड प्रथमवर्ष

पूर्णाङ्क:-100

1. विष्णुयागपद्धति: -100अङ्का:

कर्मकाण्ड तृतीयवर्ष

पूर्णाङ्क:-100

1. पारस्करगृह्यसूत्रम् -100अङ्का:

अस्मिन् पत्रे प्रश्नाङ्का: निम्नाङ्किता: भविष्यन्ति-

1. दीर्घउत्तरीयप्रश्ना: 3X20 60
2. लघुउत्तरीयप्रश्ना: 4X5 20
3. वस्तुनिष्ठ प्रश्ना: 10X2 20

पञ्चमपत्र आधुनिक विषय

इस पत्र में निम्नाङ्कित विषय होंगे जिसमें किसी एक विषय का चयन किया जाएगा-

1. समाजशास्त्र
2. इतिहास
3. मनोविज्ञान
4. गणित
5. अर्थशास्त्र
6. वाणिज्यशास्त्र
7. भूगोल
8. राजनीतिशास्त्र
9. आपदाप्रबन्धन
10. पर्यावरण संरक्षण

उक्त क्रम में 1 से 8 तक के विषयों की पाठ्यक्रम वही होगी जो बिहार विद्यालय परीक्षा समिति में प्रचलित ग्यारहवीं एवं बारहवीं कक्षा के लिए निर्धारित है। प्रत्येक विषय में निर्धारित पुस्तकें भी वही होगी जो बिहार टेस्ट बुक कमिटी के द्वारा उक्त कक्षाओं के लिए प्रकाशित की गई हैं अथवा की जाएगी।

इस पत्र में प्रश्नों का अङ्क विभाजन निम्नाङ्कित होगा:-

1. दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 3X20=60
2. लघु उत्तरीय प्रश्न 5X4=20
3. वस्तुनिष्ठ प्रश्न 10X2=20

आपदा प्रबन्धन-प्रथम वर्ष

पूर्णांङ्क:-100

1. आपदा का सामान्य अर्थ ।
2. आपदा के प्रकार एवं उनका परिचय ।
3. प्राकृतिक आपदा के भेद एवं उनका परिचय ।
4. मानवजनित आपदा के भेद एवं उनका परिचय ।
5. आपदा के पूर्वानुमान एवं उनके साधन ।

आपदा प्रबन्धन-द्वितीय वर्ष

पूर्णाङ्क:-100

1. आपदाओं की सम्भावना का विश्लेषण एवं उनके प्रभाव ।
2. आपदा से सुरक्षा-परिचय एवं साधन (प्रयोगयोग्य प्राथमिक उपचार के साधन, चिकित्सा एवं औषधियाँ) ।
3. आपदा नियंत्रण के पश्चात् पुनर्वास, नवीनसंरचना एवं उनके साधन।
4. आपदा प्रबंधन के सहयोगी तत्व एवं संगठन:- सेना, अर्धसैनिक बल, पुलिस, गृहरक्षावाहिनी, ग्रामीण विकास के पदाधिकारी एवं राजनेता, नगर विकास पदाधिकारी एवं राजनेता, अग्निशामक एवं जनप्रतिनिधि।
5. भूतत्वविद् वैज्ञानिक, खनिज विशेषज्ञ एवं स्वयंसेवी तत्वों की आपदा प्रबंधन में सहभागिता।

इस पत्र में प्रश्नों का अङ्क विभाजन निम्नाङ्कित होगा:-

1.	दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	3X20=60
2.	लघु उत्तरीय प्रश्न	5X4=20
3.	वस्तुनिष्ठ प्रश्न	10X2=20

पर्यावरण संरक्षण-प्रथम वर्ष

पूर्णाङ्क:-100

1. पर्यावरण का सिद्धान्त -50 अङ्क
   - (क) पर्यावरण का परिचय एवं परिभाषा ।
   - (ख) पर्यावरण अधययन विज्ञान, पर्यावरण के कारक एवं इसके भेद।
   - (ग) पर्यावरण प्रदूषण एवं उसके कारक।
   - (घ) पर्यावरणचिन्तन-आवश्यकता एवं आधार।
2. भारतीय पर्यावरण चिन्तन -50अङ्क
   - (क) भारतीय पर्यावरण चिन्तन- परिचय
   - (ख) भारतीय पर्यावरण चिन्तन के स्त्रोत

पर्यावरण संरक्षण-द्वितीय वर्ष

पूर्णाङ्क:-100

1. पर्यावरण का सिद्धान्त -50 अङ्क
   - (क) पर्यावरण संरक्षण का महत्व
   - (ख) पर्यावरण एवं समाज संस्कृति, राजनीति एवं नैतिकशास्त्र तथा पर्यावरण। मानव एवं पर्यावरण के सम्बन्ध में मानव का दायित्व
   - (ग) पर्यावरण स्मबन्धी प्रमुख संस्थाएँ, भारत सरकार का पर्यावरण मन्त्रालय
   - (घ) पर्यावरण तथा यूनेस्को आदि
2. भारतीय पर्यावरण चिन्तन -50अङ्क
   - (क) भारतीय पर्यावरण चिन्तन को प्रकृति का योगदान
   - (ख) वैदिक चिन्तन-(वायु, जल, नदी, पृथ्वी, पशु-पक्षी एवं वनस्पति के सम्बन्ध में)
   - (ग) भारतीय पर्यावरण चिन्तन की आधुनिक युग में प्रासङ्गिकता

सहायक ग्रन्थ:-

1. प्राचीन भारत में पर्यावरण चिन्तन-डॉ॰ वन्दना रस्तोगी

पर्यावरण शिक्षा – जसवीर सिंह मलिक

2. संस्कृत वाङ्मय में पर्यावरण चेतना- मोतालाल जोगी

इस पत्र में प्रश्नों का अङ्क विभाजन निम्नाङ्कित होगा:-

1.	दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	3X20=60
2.	लघु उत्तरीय प्रश्न	5X4=20
3.	वस्तुनिष्ठ प्रश्न	10X2=20

षष्ठपत्र (ऐच्छिक) -100 अङ्क

इस पत्र में निम्नाङ्कित में से विनियमानुसार किसी एक विषय का चयन किया जा सकेगा-

1. गृहविज्ञान 2. संगीत 3. हिन्दी 4. अंग्रेजी 5. कम्प्यूटर 6. मैथिली 7. भोजपुरी ख
8. योग एवं शारीरिक शिक्षा 9. प्राकृत 10.व्या॰ ज्योतिष 11. पाली 12.आयुर्वेद 13. कर्मकाण्ड

उपर्युक्त विषयों में से गृहविज्ञान, संगीत, हिन्दी, अंग्रेजी, कम्प्यूटर, मैथिली, भोजपुरी तथा योग एवं शारीरिक शिक्षा विषयों का पाठ्यक्रम वही होगा जो बिहार विद्यालय समिति में प्रचलित ग्यारहवीं तथा बारहवीं कक्षा के लिए निर्धारित है।

(क) धम्मपद

व्या० ज्यौतिषम्(ऐच्छिक)
प्रथमवर्षम्

पूर्णाङ्का:-100

1. व्यवहारत्नम्- भानुनाथकृतम्(प्र० आदित: कृणि प्रकरण यावत्) -50अङ्का:
2. जन्मकुण्डलीविचार: -50अङ्का:

(इष्टकाल-भयात-भभोग-स्पष्ट ग्रहलग्नादिद्वादशभावफलविचार:)

व्या० ज्यौतिषम्(ऐच्छिक)
द्वितीयवर्षम्

पूर्णाङ्का:-100

3. व्यवहारत्नम्- भानुनाथकृतम्(विवाहप्रकरणत: समाप्तिं यावत्) -50अङ्का:
4. जन्मकुण्डलीविचार: -50अङ्का:

(महादशान्तर्दशासाधनपूर्वकं संक्षिप्तबालारिण्टभावफलविचार:)

सहायक ग्रन्थ--

(क) व्यावहारिकज्यौतिषसर्वस्वम्- पं० श्रीदेवचन्द्र झा

(ख) पं० श्रीतारकेश्वर त्रिपाठी सम्पादितसुलभज्योतिषस्य जातकप्रकरणम्

(ग) पं० श्रीदेवचन्द्र झा सम्पादित-शिशुबोधनादत्तपंचविंशतिकाग्रन्थस्य जातकसम्बद्धपरिशिष्टम् का०सिं०द०संस्कृत विश्वविद्यालय प्रकाशितम्

आयुर्वेद(ऐच्छिक)
प्रथम वर्ष

पूर्णाङ्का:-100

1. आयुर्वेद का मौलिक सिद्धान्त (वात, पित्त , कफ मात्र) का वर्णन बृहत्रयी एवं लघुत्रयी का सामान्य परिचय, आयुर्वेद के आठों अंङ्गों की परिभाषा एवं उनके क्षेत्र का संक्षिप्त अध्ययन, दैनिक जीवन में आयुर्वेद की उपयोगिता ।
2. स्वास्थ्य एवं स्वस्थवृत्त:- परिभाषा, शरीर के लिये हितकर और अहितकर आहार एवं उसका महत्व, संक्रामक रोगों एवं जनपदों का ज्ञान एवं उनके निरोध के उपाय ।
3. आहार एवं पोषण – संतुलित भोजन, शरीर के आवश्यक अवयव कार्बोहाईड्रेड, वसा, प्रोटीन, विटामिन एवं इनकी कमी का प्रभाव। शाकाहार एवं मांसाहार के गुण-अवगुण । पोषण का सामाजिक परिणाम तथा पोषण विषयक राष्ट्रीय कार्यक्रम। मदिरा, सिगरेट आदि का शरीर पर दुष्प्रभाव ।
4. वायु तथा जल-संगठन, आवश्यकता, स्वास्थ्य हेतु इनका महत्व ।
5. प्रदूषण-वायु तथा जल के प्रदूषण का कारण एवं निवारण: संक्षिप्त उपाय ।
6. योग तथा निसर्गोपचार:- परिभाषा, प्रयोजन एवं स्वास्थ्य रक्षण में इसका महत्व, आसन एवं प्राणायाम की उपयोगिता तथा स्वास्थय पर उसका प्रभाव, कुछ प्रमुख आसानों का ज्ञान ।

आयुर्वेद(ऐच्छिक)
द्वितीयवर्ष

पूर्णाङ्का:-100

शरीरोपक्रमः- शरीर ज्ञान का प्रयोजन निम्नलिखित अङ्गों का परिचयात्मक ज्ञान

क. मस्तिष्क ख. आमाशय ग. क्षुद्रान्त्र घ. वृहदान्त्र एवं मलाशय ङ. यकृत प्लीहा, अग्न्याशय

च. हृदय छ. फुफ्फुस ज. मूत्रवह संस्थान का परिचय झ. दोष धातु मल का परिचयात्मक ज्ञान ।

2. निम्नलिखित व्याधियों का सामान्य नैदानिक परिचय-

क. विसूचिका ख. अग्निमांद्य ग. उतरकृमि घ. कारा ङ. श्वास च. राजयक्ष्मा

छ. कामला ज. हृद्रोग एवं हृदयाघात झ. पाण्डु ञ. अर्श ट. मधुमेह ठ. कुष्ठ एवं ज्वर

3. कुपोषणजन्य व्याधियाi- कारण, लक्षण एवं प्रतिरोधक उपाय ।

4. प्राथमिक उपचार एवं अत्यधिक अवस्था का विवेचन तथा औषध प्रतिक्रिया एवं विषाक्तता का विशिष्ट ज्ञान ।

5. व्याधि क्षमत्व परिभाषा- कृत्रिम एवं नैसर्गिक क्षमत्व ।

6. A.I.D.S. का सामान्य परिचय ।

कर्मकाण्ड(ऐच्छिक)

प्रथमवर्ष

पूर्णाङ्कः-100

क. सन्ध्यावन्दनम् ख. प्राणायाम-विधिः ग. सूर्यापस्थानम् घ. गायत्रीजपविधिः ङ. तर्पणम्

च. शान्तिवाचनम् छ. पुण्याहवाचनम् ज. पञ्चदेवपूजाविधिः झ. षोडशोपचारपूजनविधिः

ट. चूडाकरणसंस्कारः ठ. उपनयन- संस्कारः ड. विवाहसंस्कारः ढ़. अन्त्येष्टिः

कर्मकाण्ड(ऐच्छिक)

द्वितीयवर्ष

पूर्णाङ्कः-100

क. कलश-स्थापनम् ख. नवग्रहपूजाविधिः ग. दशदिग्पालार्चनम् घ. पञ्चभूसंस्कारः

ङ. कुण्डार्चनम् च. अग्निस्थापनम् छ. कुशास्तरणम् ज. पात्रासादनम्

झ. सरस्वतीपूजनम् ञ. शिवरात्रिपूजनम् ट. दीपावली(लक्ष्मीपूजा) ठ. उपाकर्म (वेदारम्भः)

सहायक ग्रन्थाः-

1. नित्यकृत्यरत्नमाला- म०म० मुकुन्द झा बख्शी
2. अद्रिसूत्रावली
3. नित्यकर्मपद्धति
4. पारस्करगृह्यसूत्रम्
5. वर्षकृत्यम्